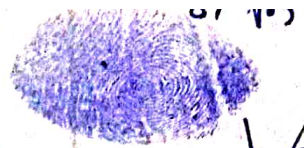


12/3/22 का पत्र १०१



सि. मा. दे. /  
Selenberg  
Kaul

12/3/22

पत्रावली का शतक के द्वारा  
की जापण के वेत हके वडवक  
जोसे मोदिकत के उप विस्तार  
होके प्रा. पत्र बाबत वाद-विवाद  
किये जाते का हके के प्रकृत  
कर विवेक विषय है कि देवा  
उपवर्गी प्रकरण के वाडीवाज व  
प्रतिवाडीवाज के मध्य आपकी  
सहायता के वागीकरण हो गया  
पिना कारण वडीवाज कोक हादागत  
की जापण के अपन वाद-विवाद  
करना चाहत व प्राची वाडीवाज  
का वाड निहा किये जाके हके

Shelant  
A



# फर्द अहकाम

अज्ञात जमीन का नाम आगवृद्ध व शक

नाम न्यायालय

केस संख्या

57/2016

पक्ष

किस संख्या	विवाद का नाम या कार्यवाही	आका विद्वान का नाम
		<p>श्री. पत्र एवं पत्रकारिता का शपथपत्र                      किया गया। वादीवादी को खून                      ठाया। प्रार्थी/वादीवादी का शपथ                      आदेश बाद कि निर्णय जाते                      को किंचित अडाला श्री न्यायवादी                      को गहन रूप से देखते हमें                      स्वीकार किया जाय अभिप्राय                      प्रतीत होता है</p> <p>उक्त वादीवादी का शपथ                      आदेश बाद कि निर्णय जाते                      स्वीकार किया जाय वादीवादी                      पत्र लिहा करते श्री न्यायवादी                      प्रमाण की जलीब पत्रकारिता                      कि संख्या हुआ कि देखते इस                      कम्प्यूटर से कर ही तथा दस्तावेज                      दूरले है</p> <p><i>(Signature)</i>                      (अज्ञात जमीन)                      1977-78, अज्ञात</p>